**भारत सरकार**

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

**लोक सभा**

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3234

उत्तर देने की तारीख: 09.12.2019

**जवाहर नवोदय विद्यालयों की उपलब्धियां**

**†3234. डॉ. सुभाष रामराव भामरेः**

**डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हेः**

**श्री श्रीनिवास दादासाहिब पाटीलः**

**श्री डी. एन. वी. सेंथिलकुमार एस.:**

**श्री कुलदीप राय शर्माः**

**श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरेः**

**श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुलेः**

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) जवाहर नवोदय विद्यालयों (जेएनवी) की शुरुआत से लेकर अब तक इसके द्वारा क्या उपलब्धि प्राप्त की गई है;

(ख) (जेएनवी) के अन्तर्गत निर्धारित उच्च शिक्षा स्तर प्राप्त करने में सरकार के समक्ष क्या समस्याएं आ रही हैं;

(ग) क्या सरकार ने देश में कार्यशील जवाहर नवोदय विद्यालयों (जेएनवी) के छात्रों के शैक्षणिक कार्य-निष्पादन की कोई समीक्षा की है;

(घ) यदि हां, तो गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है और इसमें क्या कमियां पाई गईं है और इन कमियों पर क्या कार्रवाई की गई है; और

(ङ) क्या सरकार का देश विशेषकर अ॰जा॰/अ॰ज॰जा॰ बहुल ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में प्रत्येक जिले में जेएनवी खोलने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कार्रवाई की गई/की जा रही है?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्री**

**(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')**

(क) और (ख) : जवाहर नवोदय विद्यालय (जनवि) का मुख्य उद्देश्य प्रमुख रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभावान बच्चों को उनके परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखे बिना संस्कृति के एक मजबूत घटक, मूल्यों को प्रदान करना, वातावरण के प्रति सजगता, साहसिक गितविधियों और शारीरिक शिक्षा सहित अच्छी गुणवत्तापूर्ण आधुनिक शिक्षा प्रदान करना है। इन उद्देश्यों को सामान्यत: प्राप्त कर लिया गया है जो जनवि के विद्यार्थियों के प्रदर्शन और दाखिले की मांग से स्पष्ट है, जिसका विवरण नीचे दर्शाया गया है:-

| | 2015 | | 2016 | | 2017 | | 2018 | | 2019 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | उत्तीर्ण का % | प्रथम श्रेणी % | उत्तीर्ण का % | प्रथम श्रेणी % | उत्तीर्ण का % | प्रथम श्रेणी % | उत्तीर्ण का % | प्रथम श्रेणी % | उत्तीर्ण का % | प्रथम श्रेणी % |
| कक्षा X | 99.72 | 96.51 | 98.83 | 96.98 | 99.78 | 98.13 | 97.15 | 85.42 | 98.57 | 89.56 |
| कक्षा XII | 96.91 | 91.75 | 96.70 | 85.45 | 95.87 | 85.47 | 97.08 | 89.36 | 96.62 | 89.82 |

| दाखिले के लिए मांग | 2015 | 2016 | 2017 | 2018 | 2019 |
|---|---|---|---|---|---|
| जेएनविएसटी के लिए पंजीकरण | 2086927 | 2163039 | 2211507 | 2777504 | 3110710 |

(ग) और (घ) : विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन की समीक्षा नियमित रूप से शैक्षणिक सलाहकार समिति द्वारा की जाती है और सतत् रूप से मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। व्यक्तिगत प्रदर्शन की निगरानी क्लस्टर, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर की जाती है। देश में 7 स्थानों पर शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण सुविधा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सहायता प्रदान की जाती है और क्षमता निर्माण के परिणाम स्वरूप बड़ी संख्या में छात्रों ने विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों हेतु आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की है। नवोदय विद्यालय समिति (नविस) उच्चतर शिक्षण संस्थानों, शोध संस्थानों और विश्वविद्यालयों से संसाधनों को जोड़ने में भी सफल रहा है।

(ड.) : नवोदय विद्यालय योजना में देश के प्रत्येक जिले में एक जवाहर नवोदय विद्यालय खोलने की व्यवस्था है। नए जवाहर नवोदय विद्यालय खोलना एक सतत प्रक्रिया है, जो संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा स्कूल इमारतों के निर्माण हेतु आवश्यक उपयुक्त भूमि नि:शुल्क उपलब्ध कराने और स्थायी भवन का निर्माण होने तक विद्यालय शुरू करने के लिए आवश्यक अस्थाई भवन किराया मुक्त उपलब्ध करवाने की सहमति पर निर्भर करता है। तथापि, जवाहर नवोदय विद्यालय की वास्तविक स्वीकृति और खोलना निधियों की उपलब्धता और सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन पर निर्भर करता है। तमिलनाडु को छोड़कर देश के सभी जिलों में (दिनांक 31.05.2014 तक) एक जनवि को अनुमोदित किया गया है जिसने नवोदय विद्यालय योजना को अभी तक स्वीकार नहीं किया है। आज

तक देशभर में एससी/एसटी की बहुलता वाले जिलों में 20 अतिरिक्त जनवि के अनुमोदन सहित 661 जनवि को अनुमोदित किया जा चुका है जिनका विवरण संलग्नक में है।

*****

**संलग्नक**

**'जवाहर नवोदय विद्यालयों की उपलब्धियां' के संबंध में माननीय संसद सदस्य डॉ॰ सुभाष रामराव भामरे, डॉ॰ अमोल रामसिंह कोल्हे, श्री श्रीनिवास दादासाहिब पाटील, श्री डी॰ एन॰ वी॰ सेंथिलकुमार एस॰, श्री कुलदीप राय शर्मा, श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे और श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले द्वारा दिनांक 09.12.2019 को लोक सभा में पूछे जाने वाले अतारांकित प्रश्न सं. 3234 भाग (ड.) के उत्तर में उल्लिखित संलग्नक**

**एससी / एसटी केंद्रित जिलों में स्वीकृत अतिरिक्त जेएनवी का विवरण**

| **एससी केंद्रित जिलों में जेएनवी की सूची** | | |
|---|---|---|
| **क्र.सं.** | **राज्य** | **जिला** |
| 1. | मध्य प्रदेश | उज्जैन |
| 2. | कर्नाटक | गुलबर्गा |
| 3. | आंध्र प्रदेश | प्रकाशम |
| 4. | पंजाब | अमृतसर |
| 5. | झारखंड | पलामू |
| 6. | बिहार | गया |
| 7. | पश्चिम बंगाल | दक्षिण 24 परगना |
| 8. | राजस्थान | श्रीगंगानगर |
| 9. | उत्तर प्रदेश | सीतापुर |
| 10. | जम्मू और कश्मीर | जम्मू |
| **एसटी केंद्रित जिलों में जेएनवी की सूची** | | |
| **क्र.सं.** | **राज्य** | **जिला** |
| 1. | मेघालय | पूर्वी खासी हिल्स |
| 2. | झारखंड | पाकुर |
| 3. | महाराष्ट्र | नंदुरबार |
| 4. | असम | करबियांगलोंग |
| 5. | राजस्थान | बांसवाड़ा |
| 6. | गुजरात | दाहोद |
| 7. | आंध्र प्रदेश | पूर्वी गोदावरी |
| 8. | मध्य प्रदेश | झबुआ |
| 9. | छत्तीसगढ़ | सुकमा |
| 10. | ओडिशा | मल्कानगिरी |

*****